Dr. Keerti Kumar
Assistant Prof (Guest)
Deptt of Psychology
S.R.A.P. College, Barachakia (East Champaran)
(A constituent unit of B.R.A Bihar University, Muzaffarpur)

Subject — Psychology
Topic — Attitude change
Class — B.A. (Hons) Part II Paper-IV
Day — Tuesday
Date — 07/02/2023
Period — 3rd

Contact no — 9801466117 / 6202215...

Q. What is change in attitude? Discuss the factors responsible for change in attitude?

प्रश्न :- अभिवृत्ति परिवर्तन क्या है? अभिवृत्ति परिवर्तन के लिए उत्तरदायी कुछ प्रमुख कारकों का वर्णन करें?

उत्तर :- समाज में रहकर व्यक्ति अभिवृत्तियों को सीखता है जो अर्जित होता है। चूँकि अभिवृत्ति एक अर्जित गुण है। अतः इसमें परिवर्तन भी सम्भव है। क्रच फील्ड के अनुसार अभिवृत्तियों में परिवर्तन के दो उद्देश्य हो सकते हैं। जैसे :-

1. अभिवृत्तियों की दिशा में परिवर्तन से अभिवृत्तियाँ बदल जाती हैं।
2. जब कुछ निश्चित विश्वास समाप्त हो जाते हैं तो अभिवृत्तियाँ बदल जाती हैं। कुछ विशेष प्रकार की अभिवृत्तियों का विकास रुक जाता है तो कुछ को प्रोत्साहन मिल जाता है तो भी अभिवृत्तियाँ परिवर्तित होती हैं। इसके परिवर्तन दो प्रकार के होते हैं।

(1) अनुकूल परिवर्तन :- जब किसी अभिवृत्ति में परिवर्तन अभिवृत्ति की वर्तमान दिशा के अनुकूल होता है तो ऐसे परिवर्तन को अनुकूल परिवर्तन कहते हैं। जैसे- यदि अभिवृत्ति धनात्मक है तो वह अधिक धनात्मक हो जाए, और ऋणात्मक है तो और अधिक ऋणात्मक हो जा सकता है।

(ii) प्रतिकूल परिवर्तन :- जब किसी व्यक्ति में ... हो तो इससे परिवर्तन को दो रूपक शक्ति के विपरीत होता है, तो इसे परिवर्तन को प्रतिकूल परिवर्तन कहते हैं। जैसे यदि अभिवृत्ति धनात्मक एवं है तो और अधिक धनात्मक होती जाए, किन्तु यदि ऋणात्मक है तो और अधिक ऋणात्मकता होती जाए। इसी प्रकार ऋणात्मक अभिवृत्ति अधिक ऋणात्मक हो जाए कि अभिवृत्ति धनात्मक हो जाए।

अभिवृत्ति परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारक

(i) जन माध्यम एवं संप्रेषण :- पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, रेडियो, टेलिविजन आदि कुछ प्रचलित जनमाध्यम का संप्रेषण के साधन हैं। इन साधनों के द्वारा किसी देश में अधिकांश व्यक्तियों को सूचना पहुँचायी जा सकती है। अथवा इन साधनों द्वारा बार-बार सूचना देकर उनकी अभिवृत्तियों में परिवर्तन किया जा सकता है। उदाहरण के लिए सरकार परिवार नियोजन की जो योजना चला रही है और सरकारी नियंत्रण (Birth control) का प्रचार कर रही है इस प्रकार के प्रचार और संप्रेषण प्रभाव जान पड़ता है कि लोगों की इससे सम्बन्ध में अभिवृत्तियां परिवर्तित हो गयी कभी सरकारी नियंत्रण उचित समझा जाने लगा है।

(ii) सम्पर्क - (Contact) :- पारस्परिक सम्पर्क के द्वारा भी अभिवृत्तियों परिवर्तित हो जाती है। जब व्यक्ति एक दूसरे के सम्पर्क में आते हैं और साथ-साथ उठने-बैठने, खान-पीने और रहने का उन्हें अवसर मिलता है तो ऐसे सम्पर्क से भी अभिवृत्ति परिवर्तित हो जाया करती है।

(iii) स्कूल का प्रभाव — अभिवृत्ति के परिवर्तन में शिक्षा अथवा शिक्षण संस्थाओं का प्रभाव भी बहुत हद तक स्वाभाविक होता है। बालक जिस विद्यालय में पढ़ता है वहाँ का वातावरण, स्कूल के अध्यापक तथा छात्रों के व्यवहार को प्रभावित करते हैं।